NEWS CLIPPING:19.08.2022

AAJ SAMAJ

थाईलैंड में आयोजित 9वें आईएसएफटी-2022 के दौरान विवि को मिली मेजबानी

आईएसएफटी के 10वें संस्करण की मेजबानी करेगा जेसी बोस विश्वविद्यालय

- विश्वविद्यालय से कुलपति प्रो. एसके तोमर व कुलसचिव एसके गर्ग होंगे सम्मेलन का हिस्सा

आज समाज नेटवर्क

फरीदाबाद। भारत में फ्यूजन आफ साइंस एंड टैक्नॉलोजी पर 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएसएफटी-2024) की मेजबानी जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए फरीदाबाद करेगा। यह सम्मेलन सोसायटी फार फ्यूजन आफ साइंस एंड टैक्नॉलोजी (एसएफएसटी) के संयुक्त तत्वावधान तथा देश एवं विदेश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के सहयोग आयोजन किया जाएगा। आईएसएफटी थाईलैंड के अध्यक्ष प्रो. नेपेट वाटजनटेपिन तथा राजामंगलम युनिवर्सिटी आफ टेक्नोलॉजली, सुवर्णभूमि, थाईलैंड के अध्यक्ष प्रो. प्रमुक उनालेखाका ने थाईलैंड के नोंथबुरी में 16 से 19 अगस्त, 2022 तक आयोजित किये जा रहे आईएसएफटी-2022 के दौरान जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद (हरियाणा) कुलपति प्रो एसके तोमर, कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग तथा भारत से आईएसएफटी के आयोजन अध्यक्ष प्रो नवीन कुमार को आईएसएफटी-2024 की मेजबानी सौंपी। जेसी बोस विश्वविद्यालय इससे पहले पहले वर्ष 2020 में 8वें आईएसएफटी सम्मेलन की सफल मेजबानी कर चुका है।

आईएसएफटी-2024 सम्मेलन की मेजबानी स्वीकार करते कुलपति प्रो. एसके तोमर व कुलसचिव एसके गर्ग।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. एसके तोमर ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए फ्यूजन आफ साइंस एंड टैक्नॉलोजी पर 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी सम्मान की बात है। यह सम्मेलन अकादमिक एवं शोध संस्थानों, औद्योगिक विशेषज्ञों, प्रबंधकों, इंजीनियरों इत्यादि के लिए मंच उपलब्ध करवायेगा तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में मौजूदा चुनौतियों के लिए समाधान प्रदान करेगा। सम्मेलन से शिक्षाविदों और उद्योग के बीच परस्पर सहभागिता को भी बढ़ावा मिलेगा। कुलपति ने बताया कि भविष्य की प्रौद्योगिकी का आधार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का सम्मिश्रण है। इसलिए, यह एक ऐसा विषय है, जिस पर व्यापक चर्चा और परस्पर संवाद की आवश्यकता है। इस अवसर पर बोलते हुए, आईएसएफटी-2024 सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो. नवीन कुमार ने कहा कि फ्यूजन आफ साईंस एंड टैक्नॉलोजी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की शुरूआत 2011 में हुई थी और अब तक नौ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन भारत सहित अन्य देशों में आयोजित हो चुके है। इस सम्मेलन के आयोजन में 12 देशों की सहभागिता रहती है। प्रतिवर्ष सम्मेलन में लगभग 500 शोध पत्र एवं लेख प्राप्त होते है, जिस पर व्यापक चर्चा की जाती है। उन्होंने बताया कि सोसायटी फॉर फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी अकादमिक एवं अनुसंधान, उद्यम, इंजीनियरिंग जैसे पेशेवर से लोग का समूह है, जिनका उद्देश्य अंत:विषय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना है।

विश्वविद्यालय ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले की आखिरी तिथि बढ़ाई

फरीदाबाद। छात्रों के व्यापक हितों को देखते हुए जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने विश्वविद्यालय स्तर पर विभिन्न यूजी और पीजी पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाई है। साथ ही, विश्वविद्यालय ने विभिन्न पीजी पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा का कार्यक्रम भी जारी किया है। विश्वविद्यालय ने यूजी पाठ्यक्रमों (बीटेक पाठ्यक्रमों को छोड़कर) के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 22 अगस्त, 2022 तक और पीजी पाठ्यक्रमों की 25 अगस्त, 2022 तक बढ़ा दी है। इससे पहले, ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 16 अगस्त, 2022 थी। विश्वविद्यालय ने एमएससी, एमबीए और एमसीए पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा का कार्यक्रम भी जारी किया है जो 2 सितंबर से 6 सितंबर, 2022 के बीच दो शिफ्टों में आयोजित की जाएगी। उल्लेखनीय है कि इस साल विश्वविद्यालय ने सर्टिफिकेट से लेकर डिग्री स्तर पर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के नये पाठ्यक्रम शुरू किए हैं।

NEWS CLIPPING:19.08.2022

GURGAON TODAY

आईएसएफटी के 10वें संस्करण की मेजबानी करेगा जे.सी. बोस विश्वविद्यालय

थाईलैंड में आयोजित 9वें आईएसएफटी-2022 के दौरान विश्वविद्यालय को मिली मेजबानी

भगवत दयाल कौशिक/गुड़गांव टुडे

फरीदाबाद। भारत में फ्यूजन आफ साईंस एंड टैक्नॉलोजी पर 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएसएफटी-2024) की मेजबानी जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए फरीदाबाद करेगा। यह सम्मेलन सोसायटी फार फ्यूजन आफ साईंस एंड टैक्नॉलोजी (एसएफएसटी) के संयुक्त तत्वावधान तथा देश एवं विदेश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के सहयोग आयोजन किया जायेगा। आईएसएफटी थाईलैंड के अध्यक्ष प्रो. नेपेट वाटजनटेपिन तथा राजामंगलम युनिवर्सिटी आफ टेक्नोलॉजली, सुवर्णभूमि, थाईलैंड के अध्यक्ष प्रो. प्रमुक उनालेखाका ने थाईलैंड के नोंथबुरी में 16 से 19 अगस्त, 2022 तक आयोजित किये जा रहे आईएसएफटी-2022 के दौरान जे.सी. बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद (हरियाणा) कुलपति प्रो. एस.के. तोमर, कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग तथा भारत से आईएसएफटी के आयोजन अध्यक्ष प्रो नवीन कुमार को आईएसएफटी-2024 की मेजबानी सौंपी। जे.सी. बोस विश्वविद्यालय इससे पहले पहले वर्ष 2020 में 8वें आईएसएफटी सम्मेलन की सफल मेजबानी कर चुका है। इस अवसर पर कुलपति प्रो. एस.के. तोमर ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए फ्यूजन आफ साईंस एंड टैक्नॉलोजी पर 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी सम्मान की बात है। यह सम्मेलन अकादमिक एवं शोध संस्थानों, औद्योगिक विशेषज्ञों, प्रबंधकों, इंजीनियरों इत्यादि के लिए मंच उपलब्ध करवायेगा तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में मौजूदा चुनौतियों के लिए समाधान प्रदान करेगा। सम्मेलन से शिक्षाविदों और उद्योग के बीच परस्पर सहभागिता को भी बढ़ावा मिलेगा। कुलपति ने बताया कि भविष्य की प्रौद्योगिकी का आधार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का सम्मिश्रण है। इसलिए, यह एक ऐसा विषय है, जिस पर व्यापक चर्चा और परस्पर संवाद की आवश्यकता है। इस अवसर पर बोलते हुए, आईएसएफटी-2024 सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो. नवीन कुमार ने कहा कि फ्यूजन आफ साईंस एंड टैक्नॉलोजी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की शुरूआत 2011 में हुई थी और अब तक नौ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन भारत सहित अन्य देशों में आयोजित हो चुके है। इस सम्मेलन के आयोजन में 12 देशों की सहभागिता रहती है।

NEWS CLIPPING:19.08.2022

PUNJAB KESARI

आईएसएफटी के 10वें संस्करण की मेजबानी करेगा जे.सी. बोस विश्वविद्यालय

थाईलैंड में आयोजित 9वें आईएसएफटी-2022 के दौरान विश्वविद्यालय को मिली मेजबानी

फरीदाबाद, 18 अगस्त (पूजा शर्मा): भारत में फ्यूजन आफ साईंस एंड टैक्नॉलोजी पर 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएसएफटी-2024) की मेजबानी जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए फरीदाबाद करेगा। यह सम्मेलन सोसायटी फार फ्यूजन आफ साईंस एंड टैक्नॉलोजी (एसएफएसटी) के संयुक्त तत्वावधान तथा देश एवं विदेश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के सहयोग आयोजन किया जायेगा।

आईएसएफटी थाईलैंड के अध्यक्ष प्रो. नेपेट वाटजनटेपिन तथा राजामंगलम युनिवर्सिटी आफ टेक्नोलॉजली, सुवर्णभूमि, थाईलैंड के अध्यक्ष प्रो. प्रमुक उनालेखाका ने थाईलैंड के नोंथबुरी में 16 से 19 अगस्त, 2022 तक आयोजित किये जा रहे आईएसएफटी-2022 के दौरान जे.सी. बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद (हरियाणा) कुलपति प्रो. एस.के. तोमर, कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग तथा भारत से आईएसएफटी के आयोजन अध्यक्ष प्रो नवीन कुमार को आईएसएफटी-2024 की मेजबानी सौंपी। जे.सी. बोस विश्वविद्यालय इससे पहले पहले वर्ष 2020 में 8वें आईएसएफटी सम्मेलन की सफल मेजबानी कर चुका है।

आईएसएफटी थाईलैंड के अध्यक्ष प्रो. नेपेट वाटजनटेपिन द्वारा कुलपति प्रो. एस.के. तोमर तथा कुलसचिव एस.के. गर्ग आईएसएफटी-2024 सम्मेलन की मेजबानी स्वीकार करते हुए। मध्य में, भारत से आईएसएफटी के आयोजन अध्यक्ष प्रो नवीन कुमार।(छाया: एस शर्मा)

इस अवसर पर कुलपति प्रो. एस.के. तोमर ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए फ्यूजन आफ साईंस एंड टैक्नॉलोजी पर 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी सम्मान की बात है। यह सम्मेलन अकादमिक एवं शोध संस्थानों, औद्योगिक विशेषज्ञों, प्रबंधकों, इंजीनियरों इत्यादि के लिए मंच उपलब्ध करवायेगा तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में मौजूदा चुनौतियों के लिए समाधान प्रदान करेगा। सम्मेलन से शिक्षाविदों और उद्योग के बीच परस्पर सहभागिता को भी बढ़ावा मिलेगा। कुलपति ने बताया कि भविष्य की प्रौद्योगिकी का आधार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का सम्मिश्रण है। इसलिए, यह एक ऐसा विषय है, जिस पर व्यापक चर्चा और परस्पर संवाद की आवश्यकता है।

■ शिक्षाविदों व उद्योग के बीच सहभागिता को मिलेगा बढ़ावा

इस अवसर पर बोलते हुए, आईएसएफटी-2024 सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो. नवीन कुमार ने कहा कि फ्यूजन आफ साईंस एंड टैक्नॉलोजी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की शुरूआत 2011 में हुई थी और अब तक नौ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन भारत सहित अन्य देशों में आयोजित हो चुके है। इस सम्मेलन के आयोजन में 12 देशों की सहभागिता रहती है। प्रतिवर्ष सम्मेलन में लगभग 500 शोध पत्र एवं लेख प्राप्त होते है, जिस पर व्यापक चर्चा की जाती है। उन्होंने बताया कि सोसायटी फॉर फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी अकादमिक एवं अनुसंधान, उद्यम, इंजीनियरिंग जैसे पेशेवर से लोग का समूह है, जिनका उद्देश्य अंत:विषय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना है। सोसाइटी शिक्षा और उद्योग के बीच परस्पर सहभागिता को बढ़ावा देने के साथ-साथ राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व के वैज्ञानिक प्रयासों में व्यवस्थित अध्ययन और अनुसंधान करती है। हाल के दिनों में इंजीनियरिंग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अभूतपूर्व तरक्की हुई है। इस तरक्की के साथ तालमेल के उद्देश्य से ही विज्ञान और प्रौद्योगिकी के फ्यूजन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन समय की आवश्यकता है।

NEWS CLIPPING:19.08.2022

AMAR UJALA

जेसी बोस विवि ने दाखिले की आखिरी तिथि बढ़ाई

यूजी पाठ्यक्रमों में 22 अगस्त और पीजी पाठ्यक्रमों में 25 अगस्त तक करें आवेदन

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने विभिन्न स्नातक (यूजी) और परास्नातक (पीजी) पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाई है। साथ ही, विश्वविद्यालय ने विभिन्न पीजी पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा का कार्यक्रम भी जारी किया है।

विश्वविद्यालय ने यूजी पाठ्यक्रमों (बीटेक पाठ्यक्रमों को छोड़कर) के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 22 अगस्त तक और पीजी पाठ्यक्रमों की 25 अगस्त तक बढ़ा दी है। इससे पहले, ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 16 अगस्त थी। विश्वविद्यालय ने एमएससी, एमबीए और एमसीए पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा का कार्यक्रम भी जारी किया है, जो 2 से 6 सितंबर के बीच दो शिफ्टों में आयोजित की जाएगी।

इस साल विश्वविद्यालय ने सर्टिफिकेट से लेकर डिग्री स्तर पर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के नये पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। शुरू किये गये नए पाठ्यक्रमों में गणित एवं कंप्यूटिंग में बीएससी, एंटी ड्रोन और ओटोनोमस टेक्नोलॉजी में पीजी डिप्लोमा, फिलोस्फी सांप्रदायिक सद्भाव एवं सामाजिक न्याय के दर्शनशास्त्र में पीजी डिप्लोमा के अलावा एप्लाइड मैकेनिक्स और प्रोडक्ट डिजाइन में सर्टिफिकेट कोर्स शामिल हैं। यूजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश अंतिम योग्यता परीक्षा की योग्यता के आधार पर किया जाएगा जबकि पीजी स्तर पर विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा आयोजित करेगा। निदेशक (एडमिशन) डॉ. मनीषा गर्ग ने बताया कि इस वर्ष विश्वविद्यालय लगभग 60 पाठ्यक्रमों पर दाखिले की पेशकश कर रहा है, जिसमें कम्युनिटी कॉलेज फार स्किल डेवलेपमेंट के तहत करवाए जा रहे सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी शामिल हैं। सभी बीटेक पाठ्यक्रमों में दाखिला ऑनलाइन काउंसलिंग के माध्यम से किया जाएगा। हालांकि विज्ञान, प्रबंधन एवं कला से संबंधित स्नातक पाठ्यक्रमों और सभी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिला विश्वविद्यालय स्तर पर होगा। संवाद

NEWS CLIPPING:19.08.2022

DAINIK BHASKAR

यूजी में दाखिले की ऑनलाइन डेट 22 व पीजी की 25 अगस्त तक बढ़ाई

फरीदाबाद | जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में ऑनलाइन दाखिले की तारीख विभिन्न यूजी पाठ्यक्रमों के लिए 22 अगस्त तो वहीं पीजी के लिए 25 अगस्त तक बढ़ा दी है। विश्वविद्यालय में एमएससी, एमबीए और एमसीए पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा 2 से 6 सितंबर के बीच दो शिफ्टों में होगी। इस साल विश्वविद्यालय ने सर्टिफिकेट से लेकर डिग्री स्तर पर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के नए पाठ्यक्रमों में गणित एवं कंप्यूटिंग में बीएससी, एंटी ड्रोन और ऑटोनॉमस टेक्नोलॉजी में पीजी डिप्लोमा, फिलास्फी सांप्रदायिक सद्भाव एवं सामाजिक न्याय के दर्शनशास्त्र में पीजी डिप्लोमा और एप्लाइड मैकेनिक्स और प्रोडक्ट डिजाइन में सर्टिफिकेट कोर्स शामिल हैं।

NEWS CLIPPING:19.08.2022

HINDUSTAN

आईएसएफटी-2024 की मेजबानी वाईएमसीए करेगा

- पहले भी मिल चुका है मेजबानी का मौका
- संस्थान में आयोजन को लेकर तैयारी भी शुरू

फरीदाबाद, कार्यालय संवाददाता। भारत में फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी विषय पर आयोजित होने वाले 10वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईएसएफटी-2024) की मेजबानी वाईएमसीए को मिली है। यह सम्मेलन सोसायटी फॉर फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एसएफएसटी) की ओर से देश-विदेश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के साथ मिलकर आयोजित किया जाएगा।

आईएसएफटी थाईलैंड के अध्यक्ष और राजामंगलम यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, सुवर्णभूमि, थाईलैंड के अध्यक्ष ने थाईलैंड के नोंथबुरी में जारी आईएसएफटी-2022 के दौरान वाईएमसीए के कुलपति प्रो. एसके तोमर, कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग और भारत के आईएसएफटी के आयोजन अध्यक्ष प्रो. नवीन कुमार को आईएसएफटी-2024 की मेजबानी सौंपी। 2020 में 8वें आईएसएफटी सम्मेलन की सफल मेजबानी कर चुका है। कुलपति ने कहा कि ये सम्मेलन अकादमिक और शोध संस्थानों, औद्योगिक विशेषज्ञों, प्रबंधकों, इंजीनियरों के लिए मंच उपलब्ध कराएगा।